IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.57
Volume 4, Issue 6, November 2024

नगरीयकरण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भूगोलिक विश्लेषण

रितु[1] **डॉ. संदीप राणा[2]**

[1]शोधार्थी [2]शोध निर्देशक

भूगोल–विभाग

एन.आई.आई.एल.एम विश्वविद्यालय, कैथल (हरियाणा)

सारांश

नगरीयकरण एक तीव्र गति से विकसित होने वाली प्रक्रिया है, जिसने सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संरचनाओं को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य नगरीयकरण और उससे उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भूगोलिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करना है। इस शोध में शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित विकास, प्रदूषण तथा जीवनशैली में परिवर्तन के कारण उत्पन्न विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं जैसे श्वसन रोग, हृदय रोग, मानसिक तनाव और जलजनित रोग का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में 120 व्यक्तियों के नमूने के आधार पर प्राथमिक आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जिसमें यह पाया गया कि वायु प्रदूषण और भीड़भाड़ श्वसन रोगों और मानसिक तनाव के प्रमुख कारण हैं, जबकि अस्वच्छ जल और स्वच्छता की कमी जलजनित रोगों को बढ़ावा देती है। साथ ही, शहरी जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी और असंतुलित आहार के कारण जीवनशैली संबंधी रोगों में वृद्धि देखी गई। भौगोलिक विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य समस्याओं का वितरण शहरों में असमान है, जहाँ निम्न आय वर्ग के लोग अधिक जोखिम का सामना करते हैं। यद्यपि नगरीय क्षेत्रों में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं, परंतु उनका समान वितरण न होने के कारण स्वास्थ्य असमानताएँ बनी रहती हैं।

मुख्य संकेतक: - जीवनशैली रोग, मानसिक तनाव, शहरी पर्यावरण, स्वास्थ्य असमानता।